शैक्षिक सत्र–2025–26
(19) ट्रेड–पौधशाला
कक्षा–11

उद्देश्य–

1–पौधशाला उद्योग का औद्योगीकरण देश की बढ़ती हुई बेरोजगारी को दूर करना।
2–अधिकतम पौध तैयार करना, बिक्री बढ़ाना, वृक्षारोपण कर देश में वन उद्योग को प्रोत्साहन देना और आय में वृद्धि करना।
3–कम से कम पूंजी लगाकर प्रति हेक्टेयर अधिकतम उत्पादन तथा वर्ष भर आय का उत्तम स्रोत।
4–पौधशाला उद्योग में दक्षता प्राप्त कर भविष्य में जीविकोपार्जन के लिए सक्षम बनाना।
5–श्रम के प्रति आस्था उत्पन्न करना, आत्मनिर्भर बनने एवं एक कुशल नागरिक निर्माण में सहायक होना।
6–विभिन्न प्रकार के पौधों को बड़े पैमाने में उगाकर व्यापार बढ़ाना तथा देश की अनुभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम होना।
7–पौध उत्पादन, रख–रखाव एवं वृहत् मात्रा में परिवहन सम्बन्धी यन्त्रों, उपकरणों आदि का समुचित ज्ञान प्राप्त कर अपने निजी जीवन को उपयोगी बनाने में सक्षम होना।
8–देश की ऊसर भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, वर्षा कराने, वायु मण्डल को शुद्ध करने तथा खाद्य समस्या को हल करने का उत्तम स्रोत एवं व्यवसाय।

रोजगार के अवसर–

1–पौधशाला उद्योग की विभिन्न इकाइयों में रोजगार मिलने की सम्भावना।
2–पौधशाला उद्योग में स्व–रोजगार या अपना निजी व्यवसाय चलाना।
3–पौध उत्पादन, बिक्री आदि व्यवसाय या उनका व्यापार कर सकता है।
4–पौध उत्पादन की अलग–अलग इकाइयां खोलकर, उत्पादन बढ़ाकर स्वयं दुकान खोल सकता है।
5–पौधशाला उद्योग से सम्बन्धित यन्त्रों, उपकरण एवं अन्य सामग्री विक्रय का उद्योग चला सकता है।
6–पौधशाला उत्पादन एवं बिक्री सम्बन्धी समितियां बनाकर स्वयं तथा अन्य को रोजगार उपलब्ध करा सकता है।

पाठ्यक्रम–

इस ट्रेड में तीन–तीन घन्टे के पांच प्रश्न–पत्र और भी प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा–

(क) सैद्धान्तिक–

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
प्रथम प्रश्न–पत्र	60		20	
द्वितीय प्रश्न–पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र	60	300	20	100
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक–	400		200	

टीप–परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र — 60 अंक
पौधशाला प्रौद्योगिकी की आधारभूत ज्ञान

1–पौधशाला–परिचय, परिभाषा, पौधशाला के प्रकार — 10
2–पौधशाला–वर्तमान दशा में भविष्य एवं सम्भावनायें — 10
3–पौधशाला का महत्व–प्रमुख पौधशालाओं का नाम तथा उनका अध्ययन। — 10
4–पौधशाला में प्रयुक्त यंत्र एवं उपकरण। — 10
5–पौध प्रवर्धन में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के पात्र यथा गमला, पालीथीन बैग, प्लगट्रे, प्लास्टिक कप आदि।10
6–पौध प्रवर्धन में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के पौध रोपण माध्यम यथा बालू, मिट्टी तथा लीफमोल्ड का मिश्रण, कोकोलीट, परलाइट, वर्मीकुलाइट, स्फेगनम मास घास आदि। — 10

द्वितीय प्रश्न–पत्र — 60 अंक
पौधशाला पौध प्रवर्धन

1–पौध प्रवर्धन की परिभाषा, इतिहास एवं महत्व। — 12
2–पौध प्रवर्धन वर्गीकरण, लैंगिक व अलैंगिक प्रवर्धन विधियॉ, लाभ तथा हानियां। — 12
3–टीषू कल्चर प्रवर्धन की नई तकनीकी। — 12
4–फलों की व्यावसायिक प्रवर्धन विधियों का ज्ञान। — 12

5–वृद्धि नियामक, उनका महत्व तथा वृद्धि, नियामकों की प्रयोग विधि। 12

तृतीय प्रश्न–पत्र **60 अंक**

पौधशाला प्रबन्ध, अलंकृत एवं शोभाकार पौधे

1–पौधशाला की स्थपना–स्थान का चुनाव, पौधशाला की योजना तथा रेखांकन पद्धतियॉ। 10
2–पौधशाला भूमि की तैयारी एवं भूमि शोधन। 08
3–मातृ वृक्ष–प्रमुख गुण, चुनाव एवं देखभाल। 08
4–मूलवृन्त तथा शाखा का चुनाव एवं तैयारी। 08
5–नर्सरी में पौध उगाना–स्थान का चुनाव, बीज शैय्या की तैयारी, बीज की बुआई, पालीथीन बैग में पौध उगाना तथा
पौध की देखभाल। 10
6––पौध रोपण–पौधषाला से पौध निकालने में सावधानियॉ, गमलों, पालीथीन बैग तथा क्यारियों में रोपण।08
7––पौध सुरक्षा––रोग, कीट एवं प्रतिकूल मौसम से पौधों की सुरक्षा। 08

चतुर्थ प्रश्न–पत्र **60 अंक**

वानिकीय पौधों की पौधशाला

1––वानिकी––परिभाषा, वानिकी के प्रकार तथा योजनाएं। 10
2––वानिकी का उपयोग महत्व, वर्तमान दशा तथा भविष्य। 10
3––वानिकीय पौधों का उद्देश्य, ईंधन, उद्योग, इमारत लकड़ी, रबर, गोंद, बहुरोजा, रंग, औषधि देने वाले पौधे, दलदली क्षारीय, ऊसर भूमि वाले पौधे। भूमि कटाव तथा प्रदूषण रोकने वाले पौधे। 30
4––वानकीय पौधशाला से संबंधित प्रमुख संस्थान। 10

पंचम प्रश्न–पत्र **60 अंक**

पौध विपणन एवं प्रसार

1––पौध विपणन––परिभाषा तथा विधियां। 14
2––पौधशाला अभिलेख––मातृवृक्ष रजिस्टर, कार्यक्रम अभिलेख, भण्डार पंजिका, कैशमेमो, बिल का रख–रखाव एवं महत्व। 16
3––क्रय–विक्रय––सावधानियां, पैकिंग, भेजने का माध्यम, सामग्री तथा सावधानियाँ तथा तकनीक 16
4––मातवृक्ष पंजिका तैयार करने की रूप रेखा। 14

प्रयोगात्मक

1––पौधशाला प्रवर्धन रचनाओं का अध्ययन।
2––पौधशाला यन्त्रों तथा उपकरणों का अध्ययन।
3––पौधशाला, भूमि मिश्रणों, पौधरोपण, माध्यमों का अध्ययन।
4––गमला मिश्रण तैयार करना तथा गमला भरना।
5––बीज शैया तैयार करना।
6––विभिन्न सब्जियों के बीजों को पहचाने व उनकी पौध तैयार करें।
7––बीज अंकुरण परीक्षण तथा जीवंतता परीक्षण।
8––प्रवर्धन तरीकों, भेंट कलम, गूटी कलम बांधना, कालिकायन के विभिन्न तरीकों का ज्ञान।
9––मूलवृन्त उगाना।
10––कालिका शाखा का चुनाव।
11––पौधशाला रेखांकन।
12––पौध रोपण।
13––क्यारी व गमले तैयार करना।
14–वृद्धि नियामकों से तना कृन्तनों का शोधन करना।

प्रयोगात्मक परीक्षा की रूपरेखा

समय––5 घण्टे

प्रयोगात्मक परीक्षा––

(1)

परीक्षार्थियों को तीन प्रयोग दिये जायें––
प्रयोग––1 (दीर्घ प्रयोग)
प्रयोग––2 (दीर्घ प्रयोग)
प्रयोग––3 (दीर्घ प्रयोग)

(2)

(क) सत्रीय कार्य
(ख) कार्य–स्थल का प्रशिक्षण

नोट––प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

संस्तुत पुस्तकें––

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन का नाम एवं पता	मूल्य	संस्करण वर्ष
1	2	3	4	5	6
		सर्वश्री––		रु0	
1	पौधशाला व्यवसाय	कृष्ण पंत कोठारी एवं आनन्द बिहारी श्रीवास्तव	रंजना प्रकाशन मन्दिर, 12/13, सूई कटरा, आगरा	15.00	1989–90
2	भारत में पौधों की कृषि	डा0 मुरारी लाल लवनिया	सिंघल बुक डिपों, बड़ौत, मेरठ	20.00	1987
3	सब्जियाँ एवं पुष्पोत्पादन	श्री वेम, श्री सिंह	भारतीय भण्डार, बड़ौत, मेरठ	15.00	1988
4	भारत में फलोत्पादन	श्री कृष्ण नारायण दुबे	रामा पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	15.00	1988
5	फल विज्ञान	डा0 रामनाथ सिंह	भारतीय कृषि अनुसंधान, परिषद, कृषि वन, नई दिल्ली	12.00	1984
6	फ्रूड नर्सरी प्रैक्टीसेज इन इन्डिया	एल0 बैधता रतीमन (अंग्रेजी)	दि इण्डियन प्रिन्टर्स वर्ग, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली	15.00	1988
7	पौधशाला प्रौद्योगिकी	डा0 ओमपाल सिंह	अलंकार पुस्तक भवन, बड़ौत, मेरठ	16.00	1989